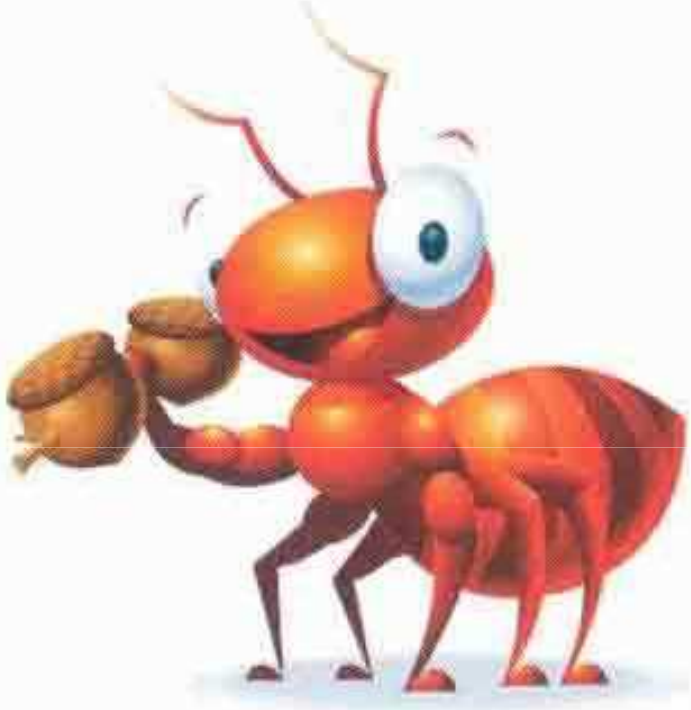

एक नन्हीं चींटीं रोज़ अपने काम पर
समय से आती थी और अपना काम
अपना काम समय पर करती थी...

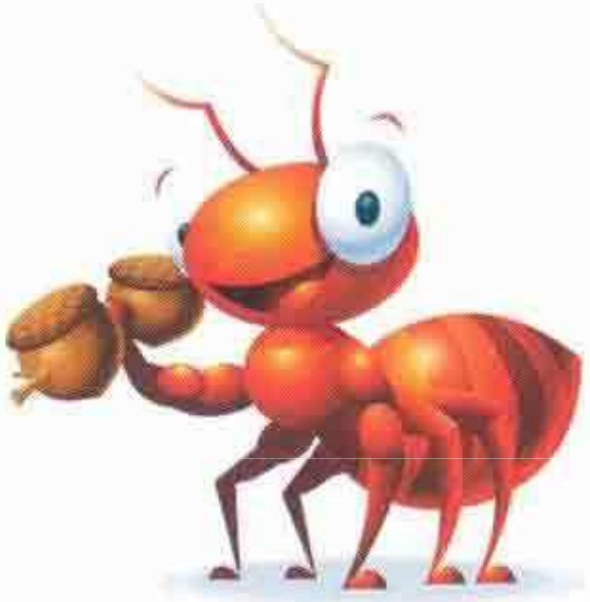

वो ज़रूरत से ज्यादा काम करके
भी खूब खुश थी

जंगल के राजा शेर नें एक दिन चींटी को काम करते हुए देखा और आश्चर्यचकित हुआ की चींटी बिना बिना किसी निरीक्षण के काम कर रही थी....

उसनें सोचा कि अगर चींटी बिना किसी सुपरवाईज़र के इतना काम, कर रही थी तो ज़रूर सुपरवाईज़र के साथ वो ज्यादा काम कर सकती थी.....

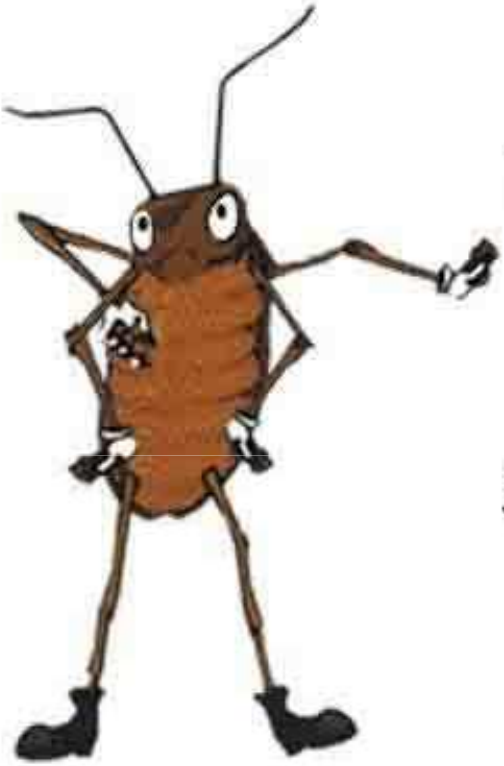

उसनें काक्रोच को नियुक्त
किया जिसे सुपर्वाईज़री
का १० साल का अनुभव
था,
और वो रिपोर्टों का बढ़िया
अनुसंधान करता था....

काक्रोच नें आते ही साथ
सुबह आने का टाइम, लंच
टाईम और जाने का टाईम
निर्धारित किया, और,
अटेंडेंस रजिस्टर बनाया

उसनें अपनी रिपोर्टें टाईप
करने के लिये,
सेकेट्री भी रखी....

उसनें मकड़ी को नियुक्त किया जो सारे फोनों का जवाब देता था और सारे रिकार्डों को मेनटेन करता था....

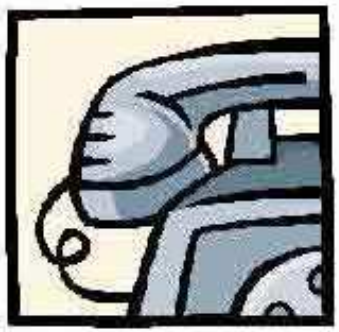

शेर को काक्रोच की रिपोर्टें
पढ़ कर बड़ी खुशी हुई,
उसने काक्रोच से कहा कि
वो प्रोडक्शन एनालिसिस
करे और,
बोर्ड मीटिंग मैं प्रस्तुत
करने के लिये ग्राफ़ बनाए

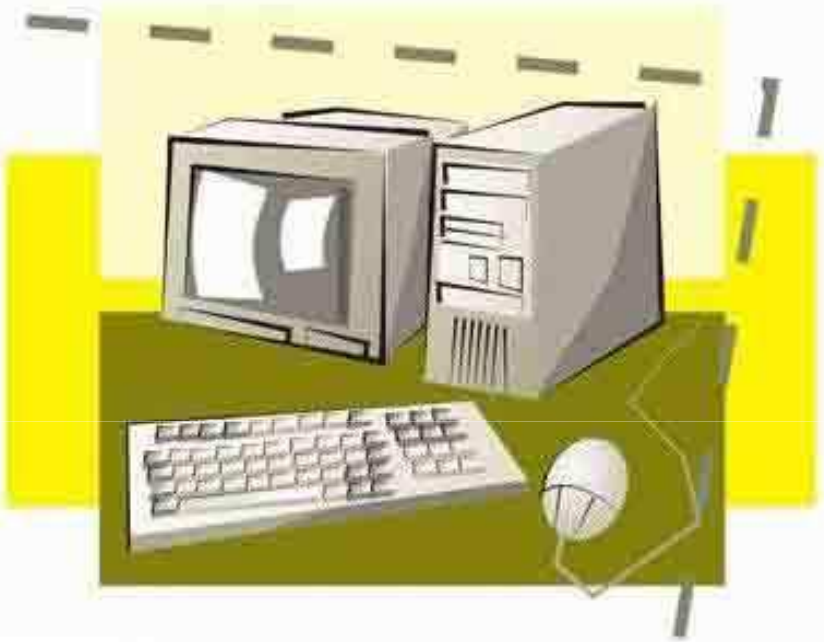

इसलिये काक्रोच को नया कंप्यूटर और लेज़र प्रिंटर खरीदना पड़ा.....

और उसनें आई टी डिपार्टमैंट संभाल-ने के लिये , मक्खी को नियुक्त किया.....

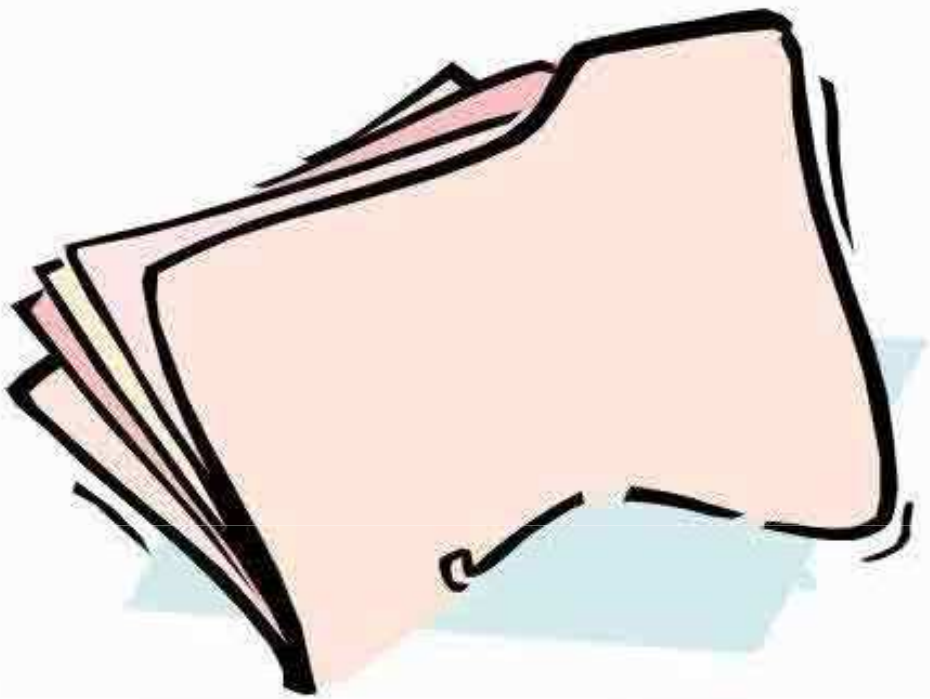

चींटीं जो शांती के साथ अपना काम पूरा करना
चाहती थी इतनी रिपोर्टों को लिखकर और
मीटिंगों से परेशान होने लगी.....

शेर नें सोचा कि अब वक्त हो चला है, कि जहां चींटीं काम करती है वहां डिपार्टमेंट का हेड नियुक्त किया जाना चाहिये.....

उसनें झींगुर को नियुक्त
किया,
झींगुर नें आते ही साथ
अपने आफ़िस के लिये का-
र्पेट और ए सी खरीदा.....

नये बॉस झींगुर को भी
कंप्यूटर की ज़रूरत पड़ी
और उसे चलाने के लिये वो
अपनी पिछली कंपनी मैं
काम कर रही असिस्टेंट को
भी नई कंपनी मैं ले
आया.....

चींटी जहां काम कर रही थी
वो दुख भरी जगह हो गयी
जहां सब एक दूसरे पर
आदेश चलाते थे और चिल-
लाते रहते थे

झींगुर नें शेर को कुछ समय बाद मना लिया की ऑफ़िस मैं टीमवर्क कमज़ोर हो गया है और माहौल बद्लने के लिये कुछ करना चाहिये.....

चींटी के डिपार्टमैंट की
रिव्यू करते वक़्त शेर
नें देखा की पहले से
उत्पादकता बहुत कम
हो गयी थी.....

उत्पादकता बढ़ाने
के लिये शेर नें
एक प्रसिद्ध कंस-
लटेंट उल्लू को
नियुक्त किया....

उल्लू नें चींटी के विभाग का गहन अध्यन तीन महीनों तक किया फ़िर उसनें अपनी १२०० पेज की रि-पोर्ट दी जिसका निष्कर्ष था कि वि-भाग मैं बहुत ज्यादा लोग हैं.....

सोचिये शेर नें नौकरी से किसको निकाला....

नन्हीं चींटी को क्योंकि उसमैं "नेगेटिव एटीट्यूड,टीमवर्क और मोटिवेशन की कमी थी....."

इस कथा के सभी पात्र
काल्पनिक हैं और उनका
किसी व्यक्ति अथवा
व्यक्तियों, घटनाओं अथवा
कंपनीयों से कोई लेना देना
नहीं है.....